# 2012

## M. A.

### 3rd Semester Examination

## HINDI

**PAPER—HIN 302**

*Full Marks : 40*

*Time : 2 Hours*

*The figures in the right-hand margin indicate full marks.*

*Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

*Illustrate the answers wherever necessary.*

**शेष प्रश्न अनिवार्य है, प्रथम प्रश्न में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।** 12×2

1. 'गोदान कृषक जीवन का आधुनिक महाकाव्य है ।'
इस कथन के आलोक में अपने विचार दीजिए ।

2. "भूमंडलीकरण के परिणामस्वरूप संवेदना, सम्बन्ध और सामूहिकता की दुनिया में जो परिवर्तन आये हैं उनका प्रामाणिक में जो परिवर्तन आये हैं उनका प्रामाणिक और गहन अंकन है 'रेहन पर रग्घू' ।" — विवेचन कीजिए ।

3. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए ।

4. 'मैला आंचल' की आंचलिक विशेषताओं का रेखांकन कीजिए ।

5. किन्हीं दो अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 8×2

(क) मैं सब जानती हूँ । यहाँ तो बाँट-बखरा होनेवाला था, सबी के मुँह मीठे होते, ये हत्यारे गाँव के मुखिया है, गरीबों का खून चूसने वाले ! सूद-व्याज डेढ़ी-सवाई, नजर-नजराना, घूस-घास जैसे भी हो, गरीबों को लूटो। उस पर सुराज चाहिए। जेल जाने से सुराज न मिलेगा । सुराज मिलेगा धरम से, न्याय से ।

(ख) यह अँधेरा नहीं रहेगा । मानवता के पुजारियों की सम्मिलित वाणी गूँजती है—पवित्र वाणी! उन्हें प्रकाश मिल गया है । तेजोमय! क्षत-विक्षत पृथ्वी के घाव पर शीतल चन्दन लेप रहा है । प्रेम और अहिंसा की साधना सफल हो चुकी है ।

(ग) पहले गाँव में चाहे चमार हो या चौधरी, सबकी इज्जत साँझी होती थी । लड़ाई-झगड़ा तो दूर, कोई चमार चौधरियों के सामने आँख उठाकर भी नहीं देखता था । जब आप लोगों ने हमारी इज्जत को अफनी इज्जत समझना छोड़ दिया, जब जाट और चमारों का खून मिलने लगा तो यह गड़बड़ होने लगी ।

(घ) असल चीज पैसा है ! अगर हाथ में पैसा हो तो वे सारे जिन्स बिना कुछ किए बाजार में मिल जाते हैं जिनके लिए आप रात-दिन खून-पसीना एक करते हैं । बिना कुछ किए बिना कहीं गए ।

—o—